भाषायी कंप्यूटरीकरण : एकमात्र विकल्प युनिकोड

यूनिकोड

यूनिकोड को व्यापक रूप से विश्वव्यापी सूचना आदान-प्रदान के मानक के रूप में स्वीकार किया जा रहा है क्योंकि बड़ी आई टी कंपनियों ने इसके लिए अपने समर्थन की घोषणा की है। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, यूनिकोड कैंसोरटियम का पूर्ण-सदस्य है, जिसे वोट देने का भी अधिकार है।

16 बिट (2 बाइट) यूनिकोड - यूनिकोड मानक सार्विक करैक्टर इनकोडिंग मानक है जिसका प्रयोग कंप्यूटर प्रोसेसिंग के लिए टेक्स्ट के निरूपण (representation) के लिए किया जाता है। यूनिकोड मानक में विश्व की लेखनीबद्ध भाषाओं के लिए सब करैक्टरों के इनकोड करने की क्षमता है। यूनिकोड मानक करैक्टर के बारे में सूचना और उनका उपयोग बताते हैं। कंप्यूटर उपयोक्ताओं के लिए जो बहुभाषी टेक्स्ट पर काम करते है, व्यापारियों, भाषाविदों, अनुसन्धानकर्त्ताओं, वैज्ञानिकों, गणितज्ञों और तकनीशियिनों के लिए यूनिकोड मानक बहुत लाभप्रद है। यूनिकोड 16-बिट इनकोडिंग का प्रयोग करता है जो 65000 करैक्टरों से भी ज़्यादा (65536) के लिए कोड-प्वाइंट उपलब्ध कराता है। यूनिकोड स्टैंडर्ड प्रत्येक करैक्टर को एक विलक्षण संख्यात्मक मान और नाम देते है।

युनिकोड सक्रिय करने की प्रक्रिया (हिंदी तथा अंग्रेजी वर्जन) आप राजभाषा विभाग की साइट http://rajbhasha.gov.in के मेन पेज से कंप्यूटर में भाषा को सक्रिय कैसे करें ? या How to enable Language in Computer? पर क्लिक करके ले सकते हैं ।

युनिकोड के प्रयोग से लाभ

1. एकरूपता
2. कार्यालय के सभी कार्य कंप्यूटर पर हिंदी में आसानी से होते हैं जैसे – वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, ई-मेल, वैबसाइट निर्माण आदि ।
3. हिंदी में बनी फाइलों का आसानी से आदान-प्रदान कर सकते हैं ।
4. हिंदी की-वर्ड पर गूगल या किसी अन्य सर्च इंजन में सर्च कर सकते हैं ।